ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–०८
दिनांक– शुक्रवार, २८ जनवरी, २०२३

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 25.1 एवं 12.2 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 100 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 72 प्रतिशत, हवा की औसत गति 2.3 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 1.2 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 1.2 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 15.0 एवं दोपहर में 25.2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(28 जनवरी–01 फरवरी, 2023)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 28 जनवरी–01 फरवरी, 2023 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में मौसम के आमतौर पर शुष्क रहने का अनुमान है। हालाकि 31 जनवरी को उत्तर बिहार के जिलो में गरज वाले बादल बन सकते है, तथा उत्तर पश्चिम बिहार के जिलों के कुछ स्थानों पर हल्की बुंदा–बादी हो सकती है। अन्य जिलों मे आमतौर पर मौसम के शुष्क रहने की संभावना है। सुबह में हल्का कुहासा छा सकता है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है, यह 24 से 27 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रह सकता है जिसके चलते यह 12 से 14 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 6 से 9 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चलने की संभावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 70 से 80 प्रतिशत तथा दोपहर में 40 से 50 प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- गरमा मौसम की सब्जियों जैसे-भिन्डी, कद्दू, कदिमा, करेला, खीरा एवं नेनुआँ की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। सब्जियों की स्वस्थ एवं गुणवत्तापूर्ण उत्पादन के लिए सड़ी-गली गोबर खाद का प्रबंध करें। १५०-२०० क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से गोबर खाद की मात्रा पुरे खेत में अच्छी प्रकार विखेरकर मिला दें। यह खाद भुमि की जलधारण क्षमता एवं पोषक तत्वों की मात्रा बढ़ाती है। कजरा (कटुआ) पिल्लू से होने वाले नुकसान से बचाव हेतु खेत की जुताई में क्लोरपायरीफॉस २० ई०सी० दवा का २ लीटर प्रति एकड़ की दर से २०-३० किलो बालू में मिलाकर व्यवहार करें। इस कीट के पिल्लू रात्री के समय निकलकर इन सब्जियों की छोटे-छोटे उग रहे पौधो पर चढ़कर पत्तियों तथा कोमल शाखाओं को काटकर खाती है एवं जमीन पर गिरा देती हैं जिससे पूरा पौधा ही सूख जाता है।
- अरहर की फसल में फल मक्खी कीट की निगरानी करे। इस कीट के मैगट बीजों को खाते है। जिस स्थानों पर मैगट खातें है, वहाँ कवक एवं जीवाणु उत्पन हो जाते है। फलस्वरूप ऐसे दाने खाने योग्य नही रह जाते है और उपज में काफी कमी आती है। इस कीट से बचाव के लिए करताप हाईड्रोक्लोराइड दवा १.५ मि०ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें।
- दीमक से प्रभावित आम और लीची की बगान में क्लोरपाईरिफॉस २० ई०सी० / २.५ मी०ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर मुख्य तने एवं उसके आस-पास की मिट्टी में छिड़काव करें। ऐसा करने से दीमक की उग्ररता में कमी आती है। इन बागों में अभी फूल एवं फल आने का समय हो रहा है। अतः किसान भाई अपने बगीचे में इमिडाक्लोप्रीड १७.८ एस०एल०/०.५ मी०ली०/ली० एवं घुलनशील गंधक (सल्फर) ८० डब्लू०पी०/ २ ग्रामध्लीटर पानी की दर से घोल कर पत्तियों पर समान रुप से छिड़काव करें। जिससे आने वाले समय में क्रमशः हापर एवं पौउड्री मिल्डेव की उग्रता में कमी आयेंगी। वर्त्तमान में इन बागानों में किसी भी प्रकार का कर्षण क्रिया एवं अगले मार्च (फल के मटर आकार के बनने) तक सिंचाई नहीं करें।
- मक्का के खेत में पर्याप्त नमी न होने पर फसल में सिंचाई करें। यदि तना छेदक कीट का हमला हो तो कीटनाशक डाइमेथोएट ३० ईसी २५० मी०ली०/एकड़ का छिड़काव करें। यदि फॉल आर्मी वर्म का आक्रमण ईटीएल से अधिक हो तो इन कीड़ों के प्रभावी नियंत्रण के लिए नीमिसाइड को प्रयोग करें अथवा फेरोमोन ट्रैप का प्रयोग करें।
- मटर में फली छेदक कीट की निगरानी करें। इस कीट के पिल्लू फलियों में जालीनूमा आवरण बनाकर उसके नीचे फलियों में प्रवेश कर अन्दर ही अन्दर मटर के दानो को खाती रहती हैं। एक पिल्लू एक से अधिक फलियों को नष्ट करता है। अक्रान्त फलियाँ खाने योग्य नही रह जाती, जिससे उपज में अत्यधिक कमी आती है। कीट प्रबन्धन हेतु प्रकाश फंदा का उपयोग करें। १५-२० टी आकार का पंछी वैठका (वर्ड पर्चर) प्रति हेक्टर लगावे। अधिक नुकसान होने पर क्वीनालफास २५ ई० सी० या नोवाल्युरॉन १० ई० सी० का १ मि० ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर फसल पर छिड़काव करें।
- आलू की अगात प्रभेद की तैयार फसलों की खुदाई करें। बीज वाली फसल की ऊपरी लत्ती की कटाई कर लें तथा खुदाई के १५ दिनों पूर्व सिंचाई बन्द कर दें। पिछात आलू की फसल में कटवर्म या कजरा पिल्लू की निगरानी करें।
- पिछात फूलगोभी, पत्तागोभी, गाजर, मूली, मटर,बैंगन, टमाटर एवं मिर्च फसलों में निराई-गुराई एवं सिंचाई करते रहें। इन फसलों में रोग-व्याधि से बचाव हेतु कार्बेन्डाजीम (वेविस्टीन)/ २.० ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर समान रुप से छिड़काव करें। गरमा सब्जी की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें।

आज का अधिकतम तापमानः २४.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ०.३ डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः १३.१ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ४.७ डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी (कृषि मौसम)

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी (कृषि मौसम)